Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2023

आधुनिक इतिहास

(मार्च 2022 – मार्च 2023)

Answers Answers Answers Answers Explanation Answers Explanation Answers

Detailed Explanation

Answers Explanation Answers Explanation Answers Answers Answers Explanation Answers Explanation Answers Answers Answers Explanation Answers

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, Website: www.drishtiias.com

Contact: 011430665089, 7669806814, 8010440440

उत्तर

1.

उत्तर: D

व्याख्या:

- राम मनोहर लोहिया समाजवादी राजनीति और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रमुख व्यक्ति थे। वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ महात्मा गांधी के अहिंसक संघर्ष के प्रतिबद्ध समर्थक थे और उन्होंने वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- लोहिया के प्रारंभिक राजनीतिक जीवन की शुरुआत कॉन्ग्रेस पार्टी के साथ हुई, जहाँ उन्होंने कॉन्ग्रेस पार्टी के सर्वोच्च निकाय- अखिल भारतीय कॉन्ग्रेस कमेटी (A.I.C.C.) के विदेश विभाग के सचिव के पद पर कार्य किया। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- वर्ष 1963 में लोहिया फर्रुखाबाद (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) में उपचुनाव के बाद लोकसभा के सदस्य बने। वे कन्नौज (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) से वर्ष 1967 के लोकसभा चुनाव में भी विजयी हुए लेकिन कुछ महीने बाद उनका देहांत हो गया।

2.

उत्तर: B

व्याख्या:

- सरोजिनी नायडू, भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, कवि और राजनीतिज्ञ थीं।
- उनका जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद, भारत में हुआ था।
- वर्ष 1905 में बंगाल के विभाजन के मद्देनज़र वह भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हो गईं।
- वह भारतीय-ब्रिटिश सहयोग (1931) हेतु गोलमेज़ सम्मेलन के अनिर्णायक दूसरे सत्र में गांधीजी के साथ लंदन गई थीं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- वर्ष 1925 (कानपुर सत्र) में नायडू को भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (INC) की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष के रूप में चुना गया था जो वर्ष 1928 तक इस पद पर बनी रहीं। अत: कथन 2 सही है।

3.

उत्तर: A

व्याख्या:

- ब्रिटिश भारत में वर्ष 1857-59 का भारतीय विद्रोह गवर्नर जनरल कैनिंग के शासन के दौरान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के खिलाफ एक व्यापक लेकिन असफल विद्रोह था। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- यह कंपनी के सिपाहियों के नेतृत्त्व में कंपनी के खिलाफ संगठित प्रतिरोध की पहली अभिव्यक्ति थी, जिसने अंतत: जनता की भागीदारी हासिल की थी। अत: कथन 1 सही है।
- 1857 के विद्रोह को विभिन्न नामों से जाना जाता है, जिसमें सिपाही विद्रोह (ब्रिटिश इतिहासकारों के अनुसार), भारतीय विद्रोह, महान विद्रोह (भारतीय इतिहासकारों के अनुसार) और स्वतंत्रता का पहला युद्ध (विनायक दामोदर सावरकर के अनुसार) शामिल हैं। अत: कथन 2 सही है।

4.

उत्तर: D

व्याख्या:

- महर्षि दयानंद सरस्वती:
  - जन्म:
    - स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी 1824 को टंकारा, गुजरात में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके माता-पिता, लालजी तिवारी और यशोदाबाई रूढ़िवादी ब्राह्मण थे।
    - मूल नक्षत्र में पैदा होने के कारण उनका नाम पहले मूल शंकर तिवारी रखा गया था। अत: कथन 1 सही है।
    - वे सत्य की खोज में पंद्रह वर्षों (1845-60) तक तपस्वी के रूप में भटकते रहे।
    - दयानंद के विचार उनकी प्रसिद्ध रचना, सत्यार्थ प्रकाश (द ट्रू एक्सपोजिशन) में प्रकाशित हुए थे। अत: कथन 2 सही है।
  - समाज के लिये योगदान:
    - वह एक भारतीय दार्शनिक, सामाजिक नेता और आर्य समाज के संस्थापक थे।
- आर्य समाज वैदिक धर्म में सुधार हेतु आंदोलन है और उन्होंने वर्ष 1876 में स्वराज को "भारतीयों के लिये भारत" के रूप में आह्वान किया था।
    - वह एक शिक्षित थे और भारतीय समाज पर महत्त्वपूर्ण छाप छोड़ने वाले भारत के एक महान नेता थे। अपने जीवनकाल के दौरान, लोगों में मध्य उनका एक प्रमुख स्थान था तथा उनका नाम जनता की एक विस्तृत श्रृंखला के मध्य विख्यात था।
- पहली आर्य समाज इकाई औपचारिक रूप से उनके द्वारा वर्ष 1875 में मुंबई (तब बॉम्बे) में स्थापित की गई थी और बाद में इसका मुख्यालय लाहौर स्थापित कर दिया गया था।

- भारत के बारे में उनकी दृष्टि में एक वर्गहीन और जातिविहीन समाज, एक संयुक्त भारत (धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर), और विदेशी शासन से मुक्त भारत शामिल था, जिसमें आर्य धर्म सार्वभौमिक धर्म के रूप में सेवा कर रहा था।
    - उन्होंने वेदों से प्रेरणा ली और उन्हें 'भारत के युग की चट्टान', 'हिंदू धर्म का अचूक और सच्चा मूल बीज' माना। उन्होंने "वेदों की ओर लौटो" का नारा दिया। अत: कथन 3 सही है।

5.

उत्तर: B

व्याख्या:

- गुरु रविदास:
    - गुरु रविदास जयंती 9 फरवरी को मनाई जाती है।
    - रविदास जयंती माघ पूर्णिमा, हिंदू लूनर कैलेंडर के अनुसार माघ महीने में पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है।
    - गुरु रविदास 14वीं शताब्दी के संत और उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन के सुधारकों में से थे। अत: कथन 1 सही नहीं है।
        - ऐसा माना जाता है कि उनका जन्म वाराणसी में एक मोची के परिवार में हुआ था।
    - एक ईश्वर में विश्वास और अपनी निष्पक्ष धार्मिक काव्य रचनाओं के कारण उन्हें प्रसिद्धि मिली। अत: कथन 2 सही है।
        - उन्होंने अपना पूरा जीवन जाति व्यवस्था के उन्मूलन के लिये समर्पित कर दिया और ब्राह्मणवादी समाज की धारणा का खुले तौर पर विरोध किया।
        - उनके भक्ति गीतों ने भक्ति आंदोलन को प्रभावित किया और उनकी लगभग 41 कविताओं को सिखों के धार्मिक ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में शामिल किया गया।

6.

उत्तर: B

व्याख्या:

महात्मा गांधी के बारे में:

- जन्म: 2 अक्तूबर, 1869; पोरबंदर (गुजरात)
- संक्षिप्त परिचय: वे एक प्रसिद्ध वकील, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्त्ता और लेखक थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत के राष्ट्रवादी आंदोलन का नेतृत्त्व किया।
- सत्याग्रह: दक्षिण अफ्रीका (1893-1915) में उन्होंने जन आंदोलन की एक नई पद्धति यानी 'सत्याग्रह' की स्थापना की और इसके साथ ही नस्लवादी शासन का सफलतापूर्वक मुकाबला किया।
    - सत्याग्रह के विचार ने सत्य की शक्ति और अहिंसा के साथ सत्य की खोज की आवश्यकता पर बल दिया।
- असहयोग आंदोलन (1920-22): सितंबर 1920 में कॉन्ग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में उन्होंने अन्य नेताओं को खिलाफत और स्वराज के समर्थन में एक असहयोग आंदोलन शुरू करने की आवश्यकता के बारे में आश्वस्त किया।
- सविनय अवज्ञा आन्दोलन:
    - वर्ष 1931 में गांधी ने एक संघर्ष विराम (गांधी-इरविन समझौता) को स्वीकार किया, सविनय अवज्ञा को बंद कर दिया और भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में लंदन में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिये सहमत हुए।
    - लंदन से लौटने के बाद महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को फिर से शुरू किया। एक वर्ष से अधिक समय तक यह आंदोलन चलता रहा लेकिन 1934 तक इसकी गति कम हो गई।
- सामाजिक कार्य:
    - उन्होंने तथाकथित अछूतों के उत्थान के लिये भी महत्त्वपूर्ण कार्य किये और अछूतों को एक नया नाम दिया- 'हरिजन', जिसका अर्थ है 'ईश्वर की संतान'।
        - सितंबर 1932 में 'बी.आर. अंबेडकर' ने महात्मा गांधी के साथ 'पूना समझौते' पर बातचीत की।
    - आत्मनिर्भरता का उनका प्रतीक- चरखा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक लोकप्रिय चिह्न बन गया।
    - उन्होंने लोगों को शांत करने और हिंदू-मुस्लिम दंगों को रोकने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, क्योंकि देश के विभाजन से पहले तथा उसके दौरान दोनों समुदायों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था।
        - वर्ष 1942 में उन्होंने महाराष्ट्र के वर्धा में 'हिंदुस्तानी प्रचार सभा' की स्थापना की। इस संगठन का उद्देश्य हिंदी और उर्दू के बीच एक संपर्क भाषा हिंदुस्तानी को बढ़ावा देना था। अत: विकल्प B सही है।
- पुस्तकें: हिंद स्वराज, सत्य के साथ मेरे प्रयोग (आत्मकथा)।

7.

उत्तर: D

व्याख्या:

सत्याग्रह आंदोलन:

- वर्ष 1917 में उन्होंने किसानों को नील की खेती की दमनकारी प्रणाली के खिलाफ संघर्ष के लिये प्रेरित करने हेतु बिहार के चंपारण की यात्रा की थी। अत: कथन 1 सही है।
- वर्ष 1917 में उन्होंने गुजरात के खेड़ा ज़िले के किसानों के समर्थन के लिये सत्याग्रह किया। फसल की विफलता और प्लेग महामारी से प्रभावित खेड़ा के किसान राजस्व का भुगतान नहीं कर सकते थे तथा मांग कर रहे थे कि उन्हें राजस्व संग्रह में ढील दी जाए।

- वर्ष 1918 में वे सूती मिल श्रमिकों के बीच सत्याग्रह आंदोलन करने के लिये अहमदाबाद गए। अत: कथन 2 सही है।
- वर्ष 1919 में उन्होंने प्रस्तावित रॉलेट एक्ट (1919) के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह शुरू करने का फैसला किया। अत: कथन 3 सही है।
- इस अधिनियम ने सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को दबाने के लिये अनेकों अधिकार दिये और राजनीतिक कैदियों को बिना मुकदमे के दो वर्ष तक हिरासत में रखने की अनुमति दी।
- 13 अप्रैल, 1919 को जलियाँवाला बाग कांड हुआ। हिंसा बढ़ते हुए देख महात्मा गांधी ने (18 अप्रैल, 1919) इस आंदोलन को वापस ले लिया।

8.

उत्तर: C

व्याख्या:

- एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों की जुड़ाव की अवधारणा के माध्यम से विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच बातचीत और आपसी समझ को बढ़ावा देना है।
- सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत' का शुभारंभ किया गया। अत: कथन 1 सही है।
- राज्य भाषा सीखने, संस्कृति, परंपराओं और संगीत, पर्यटन एवं व्यंजन, खेल तथा सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने आदि के क्षेत्रों में एक सतत् और संरचित सांस्कृतिक संबंध को बढ़ावा देने के लिये गतिविधियाँ संचालित कि जाती हैं।
- राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा देने के लिये आपसी जुड़ाव की एक विस्तृत शृंखला में प्रवेश किया है। अत: कथन 2 सही है।

9.

उत्तर: C

व्याख्या:

- सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को कटक, उड़ीसा डिवीज़न, बंगाल प्रांत में प्रभावती दत्त बोस और जानकीनाथ बोस के यहाँ हुआ था।
- वर्ष 1919 में उन्होंने भारतीय सिविल सेवा (ICS) परीक्षा उत्तीर्ण की थी। हालाँकि उन्होंने बाद में इस्तीफा दे दिया था।
- वे विवेकानंद की शिक्षाओं से अत्यधिक प्रभावित थे और उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे। अत: कथन 1 सही है।
- चितरंजन दास उनके राजनीतिक गुरु थे।
- उन्होंने बिना शर्त स्वराज (Unqualified Swaraj) अर्थात् स्वतंत्रता का समर्थन किया और मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट का विरोध किया जिसमें भारत के लिये डोमिनियन (अधिराज्य) के दर्जे की बात कही गई थी। अत: कथन 2 सही है।
- उन्होंने वर्ष 1930 के नमक सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया और सविनय अवज्ञा आंदोलन के निलंबन तथा वर्ष 1931 में गांधी-इरविन समझौते पर हस्ताक्षर करने का ज़ोरदार विरोध किया।

10.

उत्तर: C

व्याख्या:

स्वामी विवेकानंद:

- जन्म:
  - उनका जन्म 12 जनवरी, 1863 को नरेंद्रनाथ दत्त के रूप में हुआ था।
  - इसलिये प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाने के लिये राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
    - वर्ष 1893 में खेतड़ी राज्य के महाराजा अजीत सिंह के अनुरोध पर उन्होंने 'विवेकानंद' नाम धारण किया।
- योगदान:
  - उन्होंने वेदांत और योग के भारतीय दर्शन से विश्व को परिचित करवाया।
    - उन्होंने 'नव-वेदांत' का प्रचार किया, जो पश्चिमी दृष्टिकोण से हिंदू धर्म की एक व्याख्या है और आध्यात्मिकता को भौतिक प्रगति के साथ जोड़ने में विश्वास करता है।
  - अपनी मातृभूमि के उत्थान के लिये शिक्षा पर सर्वाधिक बल दिया। मानव निर्माण चरित्र निर्माण शिक्षा की वकालत की।
  - वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में उनके भाषण से उन्हें सबसे अधिक प्रसिद्धि मिली।
- संबद्ध संगठन:
  - वे 19वीं सदी के संत रामकृष्ण परमहंस के प्रमुख शिष्य थे और उन्होंने वर्ष 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
  - रामकृष्ण मिशन एक ऐसी संस्था है जो मूल्य आधारित शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य, महिला अधिकारिता, युवा एवं जनजातीय कल्याण तथा राहत एवं पुनर्वास के क्षेत्र में कार्य करती है। अत: कथन 2 सही है।
    - वर्ष 1899 में उन्होंने बेलूर मठ की स्थापना की, जो उनका स्थायी निवास बन गया।

11.

उत्तर: D

व्याख्या:

- ज्योतिराव फुले एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्त्ता, विचारक, जाति-विरोधी समाज सुधारक और महाराष्ट्र के लेखक थे।
  - उन्हें ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है।
  - प्रमुख प्रकाशन: तृतीय रत्न (1855), पोवाड़ा: छत्रपति शिवाजीराजे भोसले यांचा (1869), गुलामगिरी (1873), शेतकरायचा आसूद (1881)। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने जागरूकता अभियान शुरू किया जिससे अंतत: डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और महात्मा गांधी जैसे निष्ठावान समर्थको ने बाद में जातिगत भेदभाव के खिलाफ बड़ी पहल की। अत: कथन 2 सही है।
- सत्यशोधक समाज की स्थापना 24 सितंबर, 1873 को ज्योतिराव-सावित्रीबाई और अन्य समान विचारधारा वाले लोगों द्वारा की गई थी। अत: कथन 3 सही है।

12.

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की स्थापना दिसंबर 1885 में बॉम्बे में की गई थी, जिसके महासचिव एलन ऑक्टेवियन (A.O.) ह्यूम थे (लॉर्ड डफरिन भारत के तत्कालीन वायसराय थे)।
- पहला अधिवेशन: वर्ष 1885 में बॉम्बे में आयोजित। अध्यक्ष: डब्ल्यू.सी. बनर्जी
- दूसरा सत्र: वर्ष 1886 में कलकत्ता में आयोजित। अध्यक्ष: दादाभाई नौरोजी अत: विकल्प B सही है।

13.

उत्तर: C

व्याख्या:

- अरबिंदो घोष का जन्म 15 अगस्त, 1872 को कलकत्ता में हुआ था। वह एक योगी, द्रष्टा, दार्शनिक, कवि और भारतीय राष्ट्रवादी थे जिन्होंने आध्यात्मिक विकास के माध्यम से संसार को ईश्वरीय अभिव्यक्ति के रूप में स्वीकार किया अर्थात् नव्य वेदांत दर्शन को प्रतिपादित किया।
- ब्रिटिश शासन से छुटकारा पाने के लिये अरबिंदो की व्यावहारिक रणनीतियों ने उन्हें "भारतीय राष्ट्रवाद के पैगंबर" के रूप में चिह्नित किया।
- वर्ष 1902 से 1910 तक उन्होंने भारत को अंग्रेज़ों से मुक्त कराने हेतु किये गए संघर्ष में भाग लिया।
- वर्ष 1905 में बंगाल के विभाजन ने अरबिंदो को बड़ौदा में अपनी नौकरी छोड़ने और राष्ट्रवादी आंदोलन में उतरने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने देशभक्ति पत्रिका 'वन्दे मातरम्' की शुरुआत की, जो कि याचना के बजाय कट्टरपंथी तरीकों और क्रांतिकारी रणनीति का प्रचार करती थी। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने पांडिचेरी में मीरा अल्फासा से मुलाकात की और उनके आध्यात्मिक सहयोग से "एकात्म योग" का मार्ग प्रशस्त हुआ।
- एकात्म योग, पृथ्वी पर परिवर्तन का योग है। इस योग का उद्देश्य जीवन से पलायन या सांसारिक अस्तित्व का परित्याग नहीं है, बल्कि इसके बीच रहते हुए भी अपने जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन करना है। अत: कथन 2 सही है।

14.

उत्तर B

व्याख्या:

- भारत के राष्ट्रपति द्वारा 3 दिसंबर, 2022 को राष्ट्रपति भवन में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।
- वे महादेव सहाय के पुत्र, उनका जन्म 3 दिसंबर, 1884 को बिहार के सिवान के जीरादेई में हुआ था।
- वर्ष 1916 में उन्होंने पटना उच्च न्यायालय में अपना कानूनी कॅरियर शुरू किया। उन्होंने वर्ष 1937 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की पढ़ाई पूरी की।
- जब गांधीजी स्थानीय किसानों की शिकायतों को दूर करने के लिये बिहार के चंपारण ज़िले में एक तथ्यान्वेषी मिशन पर थे, तब उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को स्वयंसेवकों के साथ चंपारण आने का आह्वान किया।
- वह आधिकारिक तौर पर वर्ष 1911 में कलकत्ता में आयोजित अपने वार्षिक सत्र के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस में शामिल हो गए। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- उन्होंने अक्तूबर 1934 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के बॉम्बे अधिवेशन की अध्यक्षता की।
- अप्रैल 1939 में सुभाष चंद्र बोस द्वारा कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष पद से के इस्तीफे के बाद वे दूसरी बार अध्यक्ष चुने गए। अत: कथन 2 सही है।
- वर्ष 1946 में, वह पंडित जवाहरलाल नेहरू की अंतरिम सरकार में खाद्य और कृषि मंत्री के रूप में शामिल हुए और "अधिक अन्न उगाओ" का नारा दिया।

15.

उत्तर: C

व्याख्या:

महापरिनिर्वाण दिवस:

- हाल ही में, प्रधानमंत्री ने महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहब अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और हमारे राष्ट्र के लिये उनकी अनुकरणीय सेवा के लिये उनको याद किया।
- परिनिर्वाण, जिसे बौद्ध धर्म के प्रमुख सिद्धांतों और लक्ष्यों में से एक माना जाता है, एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ मृत्यु के बाद मुक्ति या मोक्ष है।
  - बौद्ध ग्रंथ महापरिनिर्वाण सूत्र के अनुसार 80 वर्ष की आयु में भगवान बुद्ध की मृत्यु को वास्तविक महापरिनिर्वाण माना जाता है।
- 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर के अतुलनीय योगदान और उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिए मनाया जाता है। बौद्ध धर्म स्वीकार करने के कारण, उनकी पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में जाना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर एक समाज सुधारक, न्यायविद, अर्थशास्त्री, लेखक, बहुभाषाविद (कई भाषाओं को जानने वाले या प्रयोग करने वाले) वक्ता, विद्वान और तुलनात्मक धर्मों के विचारक थे।
  - उन्हें भारतीय संविधान के जनक के रूप में जाना जाता है और वे भारत के पहले कानून मंत्री थे
  - वह नए संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।
  - उन्होंने मार्च 1927 में हिंदुओं के खिलाफ महाड़ सत्याग्रह का नेतृत्त्व किया, जो नगर बोर्ड के निर्णय का विरोध कर रहे थे।
- 1926 में, महाड़ (महाराष्ट्र) के नगरपालिका बोर्ड ने सभी समुदायों के लिये तालाब को खोलने का आदेश पारित किया। पहले अछूतों को महाड़ तालाब के पानी का उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
  - उन्होंने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया। अत: कथन 2 सही है।
  - 1932 में, डॉ. अंबेडकर ने महात्मा गांधी के साथ पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किये, जिसने दलित वर्गों (सांप्रदायिक पंचाट) के लिये अलग निर्वाचक मंडल के विचार को त्याग दिया।
  - उन्हें 1990 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

16.

उत्तर: A

व्याख्या:

- सराईघाट का युद्ध वर्ष 1671 में सराईघाट के पास ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे मुगल साम्राज्य और अहोम साम्राज्य के बीच हुआ था। अत: कथन 1 सही है।
- अहोम सेना ने इस क्षेत्र के बेहतरीन उपयोग, कूटनीतिक बातचीत, गुरिल्ला रणनीति, मनोवैज्ञानिक युद्ध और सैन्य खुफिया जानकारी से मुगल सेना को पराजित किया दिया। अत: कथन 2 सही नहीं है।

17.

उत्तर: C

व्याख्या:

- व्यपगत के सिद्धांत के अनुसार भारतीय शासक के किसी भी दत्तक पुत्र को राज्य के उत्तराधिकारी के रूप में घोषित नहीं किया जा सकता था। अत: कथन 1 सही है।
- दत्तक पुत्र किसी भी पेंशन या उपाधि के लिये अयोग्य होगा जो उसके पिता को मिल रहा था।
- व्यपगत का सिद्धांत लागू करते हुए डलहौजी द्वारा निम्नलिखित राज्यों पर कब्ज़ा किया गया:
  - सतारा (1848 ई.), अत: कथन 2 सही है।
  - जैतपुर, और संबलपुर (1849 ई.),
  - बघाट (1850 ई.),
  - उदयपुर (1852 ई.),
  - झाँसी (1853 ई.) और
  - नागपुर (1854 ई.)

18.

उत्तर: A

व्याख्या:

मानगढ़ नरसंहार:

- भील आदिवासी समुदाय रियासतों (राजस्थान और गुजरात) के शासकों और अंग्रेज़ो के बंधुआ मज़दूर बन गया।
- वर्ष 1899-1900 के भीषण अकाल ने दक्कन में छह लाख से अधिक लोगों को मर गए।
- सामाजिक कार्यकर्त्ता गुरु गोविंदगिरि, जिन्हें गोविंद गुरु के नाम से भी जाना जाता है, द्वारा संगठित और प्रशिक्षित भीलों ने वर्ष 1910 तक अंग्रेज़ो के सामने 33 मांगों का एक चार्टर रखा, जो मुख्य रूप से ज़बरन श्रम, भीलों पर लगाए गए उच्च कर और अंग्रेज़ो एवं रियासतों के शासकों द्वारा गुरु के अनुयायियों के उत्पीड़न से संबंधित थे।

- भीलों ने उन्हें शांत करने के अंग्रेज़ो के प्रयास को खारिज़ कर दिया और ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की घोषणा करने का संकल्प लेते हुए मानगढ़ पहाड़ियाँ छोड़ने से इंकार कर दिया।
- अंग्रेज़ो ने तब भीलों को 15 नवंबर, 1913 से पहले मानगढ़ पहाड़ी छोड़ने के लिये कहा।
  - लेकिन ऐसा नहीं हुआ और 17 नवंबर, 1913 को ब्रिटिश भारतीय सेना ने भील प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और कहा जाता है कि नरसंहार में महिलाओं और बच्चों सहित 1,500 से अधिक लोग मारे गए।
- गुजरात-राजस्थान सीमा पर स्थित मानगढ़ पहाड़ी को आदिवासी जलियांवाला के नाम से भी जाना जाता है। अत: विकल्प A सही है।

19.

उत्तर: C

व्याख्या:

अफज़ल खान:

- वह 17वीं शताब्दी में बीजापुर के आदिल शाही सल्तनत में सेनापति था। अत: कथन 1 सही है।
- छत्रपति शिवाजी के उदय और इस क्षेत्र पर बढ़ते नियंत्रण के साथ अफजल खान को दक्कन क्षेत्र में इनके क्षेत्राधिकार को सीमित करने वाले व्यक्ति के रूप में देखा गया था।
- अफज़ल खान ने अपने 10,000 घुड़सवारों के साथ बीजापुर से वाई (Vai) तक मार्च किया और रास्ते में शिवाजी के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में लूटपाट की।
- शिवाजी ने प्रतापगढ़ के किले में एक युद्ध परिषद बुलाई, जहाँ उनके अधिकांश सलाहकारों ने उनसे शांति स्थापित करने का आग्रह किया। हालाँकि शिवाजी पीछे हटना नहीं चाहते थे और उन्होंने अफज़ल खान के साथ एक बैठक की।
- इस मुलाकात के दौरान अफज़ल खान द्वारा षडयंत्र पूर्वक शिवाजी पर किये गए हमले की जवाबी कार्रवाई में शिवाजी विजयी हुए। इसके बाद मराठों के हाथों आदिलशाही सेना का पराभव हुआ।
- मराठा सूत्रों के अनुसार, खान के अवशेषों को किले में दफनाया गया था और शिवाजी के आदेश पर एक मकबरे का निर्माण किया गया था।
- अनुग्रह कार्य में शिवाजी ने अफज़ल खान के अवशेषों पर एक मकबरा बनवाया और उसके सम्मान में एक टॉवर का निर्माण कराया, जिसे आज भी प्रतापगढ़ में 'अफजुल बुरुज़ ' के नाम से जाना जाता है। अत: कथन 2 सही है।

20.

उत्तर: C

व्याख्या:

- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, जिनका मूल नाम मुहियुद्दीन अहमद था, का जन्म वर्ष 1888 में मक्का, सऊदी अरब में हुआ था।
- ये विभाजन के कट्टर विरोधी तथा हिंदू-मुस्लिम एकता के समर्थक थे।
- वर्ष 1912 में उन्होंने उर्दू में अल-हिलाल नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसने मॉर्ले-मिंटो सुधारों (1909) के बाद दो समुदायों के बीच हुए मनमुटाव को समाप्त कर हिंदू-मुस्लिम एकता को स्थापित करनेमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- वर्ष 1909 के सुधारों के तहत मुसलमानों के लिये अलग निर्वाचक मंडल के प्रावधान का हिंदुओं द्वारा विरोध किया गया था।
- सरकार ने अल-हिलाल पत्रिका को अलगाववादी विचारों का प्रचारक माना और 1914 में इस पर प्रतिबंध लगा दिया।
- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने हिंदू-मुस्लिम एकता पर आधारित भारतीय राष्ट्रवाद और क्रांतिकारी विचारों के प्रचार के समान मिशन के साथ अल-बालाग नामक एक अन्य साप्ताहिक पत्र का प्रकाशन शुरू किया।
- अत: विकल्प C सही है।

21.

उत्तर: B

व्याख्या:

- जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखी गई पुस्तकें थीं, द डिस्कवरी ऑफ इंडिया, विश्व इतिहास की झलक, एक आत्मकथा, एक पिता से उसकी बेटी को पत्र। अत: विकल्प B सही है।

22.

उत्तर: C

व्याख्या:

- बिरसा मुंडा:
  - बिरसा मुंडा जिनका जन्म 15 नवंबर, 1875 को हुआ, वे छोटा नागपुर पठार की मुंडा जनजाति से संबंधित थे।
  - वह भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, धार्मिक नेता और लोक नायक थे।
- श्री अल्लूरी सीता राम राजू:
  - उनका जन्म 4 जुलाई, 1897 को आंध्र प्रदेश में भीमावरम के पास मोगल्लू नामक गाँव में हुआ था।
  - अल्लूरी को अंग्रेज़ो के खिलाफ रम्पा विद्रोह का नेतृत्व करने के लिये याद किया जाता है जिसमें उन्होंने विदेशियों के खिलाफ विद्रोह करने के लिये विशाखापत्तनम और पूर्वी गोदावरी ज़िलों के आदिवासी लोगों को संगठित किया था।

- शहीद वीर नारायण सिंह:
  - उन्हें छत्तीसगढ़ में सोनाखान का गौरव माना जाता है, उन्होंने व्यापारी के अनाज के स्टॉक को लूट लिया और उसे 1856 के अकाल के बाद गरीबों में वितरित कर दिया।
  - वीर नारायण सिंह के बलिदान ने उन्हें आदिवासी नेता बना दिया और वे 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के पहले शहीद थे।
- रानी गाइदिन्ल्यू:
  - वह एक नगा आध्यात्मिक और राजनीतिक नेता थीं जिन्होंने भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था। 13 साल की उम्र में वह अपने चचेरे भाई हैपो जादोनांग के हेराका धार्मिक आंदोलन में शामिल हो गईं। अत: विकल्प C सही है।

23.

उत्तर: C

व्याख्या:

- सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के प्रथम गृह मंत्री और उप-प्रधानमंत्री थे।
  - भारतीय राष्ट्र को एक संघ बनाने (एक भारत) तथा भारतीय रियासतों के एकीकरण में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी।
  - आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना के कारण उन्हें 'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत' के रूप में भी याद किया जाता है।
- संविधान निर्माण में भूमिका:
  - उन्होंने भारत की संविधान सभा की विभिन्न समितियों का नेतृत्व किया, अर्थात्:
    - मौलिक अधिकारों पर सलाहकार समिति। अत: कथन 1 सही है।
    - अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं बहिष्कृत क्षेत्रों पर समिति।
    - प्रांतीय संविधान समिति।
  - उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ खेड़ा सत्याग्रह (वर्ष 1918) और बारदोली सत्याग्रह (वर्ष 1928) में किसान हित को एकीकृत किया।
    - बारदोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि दी, जिसका अर्थ है 'प्रमुख या नेता'।
  - मार्च 1931 में पटेल ने भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के कराची अधिवेशन (46वें सत्र) की अध्यक्षता की, जिसे गांधी-इरविन समझौते की पुष्टि करने के लिये बुलाया गया था। अत: कथन 2 सही है।

24.

उत्तर: D

व्याख्या:

सरदार वल्लभभाई पटेल:

- सरदार पटेल का जन्म 31 अक्तूबर, 1875 को नाडियाड गुजरात में हुआ था।
- वह भारत के प्रथम गृह मंत्री और उप-प्रधानमंत्री थे। अत: कथन 1 सही है।
- भारत को एकीकृत (एक भारत) और एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिये उनके विशाल योगदान हेतु उन्हें भारत के वास्तविक एकीकरणकर्ता के रूप में पहचाना जाता है।
  - उन्होंने भारत के लोगों से एकजुट (एक भारत) होकर एक अग्रणी भारत (श्रेष्ठ भारत) बनाने का अनुरोध किया।
  - यह विचारधारा अभी भी 'आत्मनिर्भर भारत' पहल में परिलक्षित होती है जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करती है।
- आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना के कारण उन्हें 'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत' के रूप में भी याद किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- भारत में प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसे राष्ट्रीय एकता दिवस भी कहते हैं। अत: कथन 3 सही है।

25.

उत्तर: D

व्याख्या:

जयप्रकाश नारायण:

- जन्म: 11 अक्तूबर, 1902 को बिहार के सिताबदियारा में हुआ।
- विचारधारा: मार्क्सवादी विचार और गांधीवादी विचारधारा। अत: कथन 1 सही है।
- स्वतंत्रता संग्राम में योगदान:
  - वर्ष 1929 में वह भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस में शामिल हो गए।
  - वर्ष 1932 में उन्हें सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण एक वर्ष के लिये जेल में डाल दिया गया था।
  - वर्ष 1939 में उन्हें द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटेन की ओर से भारतीयों की भागीदारी का विरोध करने के लिये फिर से जेल में डाल दिया गया था, लेकिन वे बच निकले।
- उन्होंने कॉन्ग्रेस पार्टी के भीतर एक वामपंथी समूह, कॉन्ग्रेस सोशलिस्ट पार्टी (1934) के गठन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- वर्ष 1948 में उन्होंने कॉन्ग्रेस पार्टी छोड़ दी और कॉन्ग्रेस विरोधी अभियान शुरू किया।

- वर्ष 1952 में उन्होंने प्रजा सोशलिस्ट पार्टी (PSP) का गठन किया। अत: कथन 2 सही है।

- वर्ष 1954 में उन्होंने अपना जीवन विनोबा भावे के भूदान यज्ञ आंदोलन को समर्पित कर दिया, इस आंदोलन के तहत उनकी मांग भूमिहीनों को भूमि पुनर्वितरण की थी। अत: कथन 3 सही है।
- वर्ष 1959 में उन्होंने गाँव, ज़िला, राज्य और संघ परिषदों (चौखंबा राज) के चार-स्तरीय पदानुक्रम के माध्यम से "भारतीय राजनीति के पुनर्निर्माण" के लिये तर्क प्रस्तुत किया।

26.

उत्तर: D

व्याख्या:

- शहीद भगत सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1907 में भागनवाला (Bhaganwala) के रूप में हुआ तथा इनका पालन-पोषण पंजाब के दोआब क्षेत्र में स्थित जालंधर ज़िले के संधू जाट किसान परिवार में हुआ।
- वर्ष 1923 में भगत सिंह ने नेशनल कॉलेज, लाहौर में प्रवेश लिया, जिसकी स्थापना लाला लाजपत राय एवं भाई परमानंद ने की थी तथा प्रबंधन भी इन्हीं के द्वारा किया जाता था।
- वर्ष 1924 में वह कानपुर में सचिंद्रनाथ सान्याल द्वारा एक साल पहले शुरू किये गए हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के सदस्य बने।
  - वर्ष 1928 में भगत सिंह ने हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन (HSRA) कर दिया।
  - अत: कथन 3 सही है।
- लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला लेने के लिये भगत सिंह और उनके साथियों ने पुलिस अधीक्षक जेम्स ए स्कॉट की हत्या की साजिश रची। हालाँकि क्रांतिकारियों ने गलती से जे.पी. सॉन्डर्स को मार डाला। इस घटना को लाहौर षड्यंत्र मामला (1929) के नाम से जाना जाता है।
  - अत: कथन 2 सही है।
- भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दो दमनकारी विधेयकों- सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक और व्यापार विवाद विधेयक के पारित होने के विरोध में 8 अप्रैल, 1929 को केंद्रीय विधानसभा में बम फेंका।
  - अत: कथन 1 सही है।

27.

उत्तर: D

व्याख्या:

- बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म वर्ष 1891 में महू, मध्य प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में हुआ था।
  - उन्हें 'भारतीय संविधान का जनक' माना जाता है और वह भारत के पहले कानून मंत्री थे।
  - वह संविधान निर्माण की मसौदा समिति के अध्यक्ष थे। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने तीनों गोलमेज सम्मेलनों (Round Table Conferences) में भाग लिया।
  - वर्ष 1932 में डॉ. अंबेडकर ने महात्मा गांधी के साथ पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किये, जिससे उन्होंने दलित वर्गों (सांप्रदायिक पंचाट) हेतु पृथक निर्वाचन मंडल की मांग के विचार को छोड़ दिया।
  - हालाँकि प्रांतीय विधानमंडलों में दलित वर्गों के लिये सुरक्षित सीटों की संख्या 71 से बढ़ाकर 147 कर दी गई तथा केंद्रीय विधानमंडल (Central Legislature) में दलित वर्गों की सुरक्षित सीटों की संख्या में 18 प्रतिशत की वृद्धि की गई। अत: कथन 2 सही है।
- उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं जैसे,
  - जाति प्रथा का विनाश
  - बुद्ध या कार्ल मार्क्स
  - अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बन गए
  - बुद्ध और उनके धम्म
  - हिंदू महिलाओं का उदय और पतन। अत: कथन 3 सही है।

28.

उत्तर: C

व्याख्या:

- महात्मा गांधी के शिष्य विनोबा भावे ने तेलंगाना के पोचमपल्ली में भूमिहीन हरिजनों की समस्याओं पर ध्यान दिया।
- उन्होंने भारत के भूमि सुधार कार्यक्रम में "अहिंसक क्रांति" लाने के प्रयास में आंदोलनों का नेतृत्त्व किया।
- आंदोलन भूमिहीन वर्गों से स्वेच्छा से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों को सौंपने का आग्रह करने के बारे में थे, जिसे भूदान आंदोलन नाम दिया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने खादी का कताई करने वाला चरखे का उपयोग किया और दूसरों से ऐसा करने का आग्रह किया, जिसके परिणामस्वरूप कपड़े का बड़े पैमाने पर उत्पादन हुआ।
- 17 अक्तूबर, 1940 को व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू किया गया, जिसमें पहले सत्याग्रही विनोबा भावे थे। अत: कथन 2 सही है।
- 1920 और 1930 के दशक के दौरान भावे को कई बार बंदी बनाया गया तथा ब्रिटिश शासन के खिलाफ अहिंसक प्रतिरोध के लिये 40 के दशक में पाँच साल की जेल की सज़ा दी गई थी।

29.

उत्तर: B

व्याख्या:

- वर्ष 1919 में उन्होंने भारतीय सिविल सेवा (ICS) की परीक्षा पास की थी। हालाँकि बाद में बोस ने इस्तीफा दे दिया।
- वह विवेकानंद की शिक्षाओं से अत्यधिक प्रभावित थे और उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे।
- उन्होंने बिना शर्त स्वराज (Unqualified Swaraj) अर्थात् स्वतंत्रता का समर्थन किया और मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट (Motilal Nehru Report) का विरोध किया जिसमें भारत के लिये डोमिनियन के दर्जे की बात कही गई थी।
- उन्होंने वर्ष 1930 के नमक सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया और वर्ष 1931 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के निलंबन तथा गांधी-इरविन समझौते पर हस्ताक्षर करने का विरोध किया। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- वर्ष 1930 के दशक में वह जवाहरलाल नेहरू और एम.एन. रॉय के साथ कॉन्ग्रेस की वाम राजनीति में संलग्न रहे।
- फ्री इंडियन लीजन भारतीय स्वयंसेवकों द्वारा गठित पैदल सेना रेजिमेंट थी। जो सेना युद्ध के भारतीय कैदियों और यूरोप में प्रवासियों से बनी थी।
- भारतीय स्वतंत्रता नेता, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिये जर्मन सरकार की मदद से इस सेना का गठन किया। इस सेना को "टाइगर लीजन" के नाम से भी जाना जाता है। अत: कथन 2 सही है।

30.

उत्तर: B

व्याख्या:

- स्वदेशी आंदोलन की जड़ें विभाजन विरोधी आंदोलन में थीं जो लॉर्ड कर्जन के बंगाल प्रांत को विभाजित करने के फैसले का विरोध करने के लिये शुरू किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- बंगाल के अन्यायपूर्ण विभाजन को लागू होने से रोकने के लिये सरकार पर दबाव बनाने हेतु नरमपंथियों द्वारा विभाजन विरोधी अभियान शुरू किया गया था।
- वी. ओ. चिदंबरम पिल्लई ने मद्रास में स्वदेशी आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अत: कथन 2 सही है।
- उन्होंने स्वदेशी प्रचार सभा, धर्मसंग नेसावु सलाई, राष्ट्रीय गोदाम, मद्रास एग्रो-इंडस्ट्रियल सोसाइटी लिमिटेड और देसबीमना संगम जैसी कई संस्थाओं की स्थापना की।

31.

उत्तर: C

व्याख्या:

हाल ही में महान स्वतंत्रता सेनानी वी.ओ. चिदंबरम पिल्लई को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी गई।

- वह एक लोकप्रिय कप्पलोटिया थमिज़ान (तमिल खेवनहार) और "चेक्किलुथथा चेम्मल"के रूप में जाने जाते थे।
  - 1906 तक चिदंबरम पिल्लई ने स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी (एसएसएनसीओ) के नाम से एक स्वदेशी मर्चेंट शिपिंग संगठन स्थापित करने के लिये तूतीकोरिन और तिरुनेलवेली में व्यापारियों एवं उद्योगपतियों का समर्थन हासिल किया।
  - उन्होंने स्वदेशी प्रचार सभा, धर्मसंग नेसावु सलाई, राष्ट्रीय गोदाम, मद्रास एग्रो-इंडस्ट्रियल सोसाइटी लिमिटेड और देसबीमना संगम जैसी कई संस्थाओं की स्थापना की।
  - चिदंबरम पिल्लई और शिवा को उनके प्रयासों हेतु तिरुनेलवेली स्थित कई वकीलों द्वारा सहायता प्रदान की गई, जिन्होंने स्वदेशी संगम या 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक' नामक एक संगठन का गठन किया।
  - तूतीकोरिन कोरल मिल्स की हड़ताल (1908) की शुरुआत के साथ राष्ट्रवादी आंदोलन ने एक द्वितीयक चरित्र प्राप्त कर लिया।
  - गांधीजी के चंपारण सत्याग्रह (1917) से पहले भी चिदंबरम पिल्लई ने तमिलनाडु में मज़दूर वर्ग का मुद्दा उठाया था और इस तरह वह इस संबंध में गांधीजी के अग्रदूत रहे।
  - चिदंबरम पिल्लई की मृत्यु 18 नवंबर, 1936 को भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस कार्यालय तूतीकोरिन में उनकी अंतिम इच्छा के अनुरूप हुई।
- अत: विकल्प C सही है।

32.

उत्तर: D

व्याख्या:

- रानी लक्ष्मीबाई झाँसी रियासत की रानी थीं।
- अंग्रेजों को अपने क्षेत्र को सौंपने से इंकार करते हुए, इन्होंने अपने उत्तराधिकारी (दत्तक पुत्र) की ओर से शासन करने का निर्णय लिया और वर्ष 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में शामिल हो गईं।
  - उन्हें वर्ष 1857 में भारत की स्वतंत्रता के पहले युद्ध में उनकी प्रमुख भूमिका के लिये जाना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने तात्या टोपे और नाना साहब की सहायता से ग्वालियर के किले पर विजय प्राप्त की।

- अंग्रेजों द्वारा घिर जाने पर वह झाँसी के किले से भाग निकलीं और ग्वालियर के फूल बाग के पास लड़ाई में घायल हो गई थी, जहाँ उनकी मृत्यु हो गई।
- अत: कथन 2 सही है।

- अत: विकल्प D सही है।

33.

उत्तर: D

व्याख्या:

- स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को हुआ तथा उनके बचपन का नाम नरेंद्र नाथ दत्त था।
  - राष्ट्रीय युवा दिवस प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाने के लिये आयोजित किया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वामी विवेकानंद को आधुनिक भारत का निर्माता कहा था। अत: कथन 2 सही है।
- उन्होंने विश्व को वेदांत और योग के भारतीय दर्शन से परिचित कराया। अत: कथन 3 सही है।
- उन्होंने पश्चिमी दृष्टि के माध्यम से हिंदू धर्म की व्याख्या की, 'नव-वेदांत' का प्रचार किया तथा भौतिक प्रगति के साथ आध्यात्मिकता के संयोजन में विश्वास किया।
- मातृभूमि के उत्थान के लिये शिक्षा पर सबसे अधिक बल दिया। मानव-निर्मित चरित्र-निर्माण की शिक्षा की वकालत की।
- उन्हें वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में उनके भाषण के लिये जाना जाता है।
- सांसारिक सुख और मोह से मोक्ष प्राप्त करने के चार मार्गों को अपनी पुस्तकों में वर्णित किया है:
  - राज-योग
  - कर्म-योग
  - ज्ञान-योग
  - भक्ति-योग,

34.

उत्तर: D

व्याख्या:

- मार्च 1942 में स्टैफोर्ड क्रिप्स की अध्यक्षता में क्रिप्स मिशन को द्वितीय विश्व युद्ध के लिये भारतीय समर्थन प्राप्त करने हेतु संवैधानिक प्रस्तावों के साथ भारत भेजा गया था।
  - दक्षिण-पूर्व एशिया में ब्रिटेन द्वारा झेली गई पराजय के कारण भारत पर आक्रमण करने का जापानी खतरा अब वास्तविक लग रहा था और भारतीय समर्थन महत्त्वपूर्ण हो गया।
  - उद्देश्य:
    - डोमिनियन स्टेटस के साथ भारतीय संघ की स्थापना की जाएगी, यह राष्ट्रमंडल के साथ अपने संबंधों को तय करने के लिये स्वतंत्र होगा और संयुक्त राष्ट्र एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय निकायों में भाग लेने के लिये स्वतंत्र होगा।
  - भारतीय नेतृत्व द्वारा अस्वीकार किये जाने के कारण:
    - पूर्ण स्वतंत्रता के प्रावधान के बजाय डोमिनियन स्टेटस का प्रस्ताव;
    - रियासतों का प्रतिनिधित्व नामांकित व्यक्तियों द्वारा किया जाता है न कि निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा;
    - प्रांतों को अलग करने का अधिकार क्योंकि यह राष्ट्रीय एकता के सिद्धांत के खिलाफ था।
- 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया तथा मुंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की ।
  - गांधीजी ने ग्वालिया टैंक मैदान से भाषण के दौरान "करो या मरो" का नारा दिया, मैदान को अब अगस्त क्रांति मैदान के नाम से जाना जाता है।
  - कारण:
    - क्रिप्स मिशन की विफलता:
    - भारतीय नेताओं के साथ पूर्व परामर्श के बिना द्वितीय विश्व युद्ध में भारत की भागीदारी:
    - कई छोटे आंदोलनों का केंद्रीकरण:
- कैबिनेट मिशन 24 मार्च, 1946 को अंतरिम सरकार और भारत को स्वतंत्रता देने वाले संविधान बनाने के लिये सिद्धांत और प्रक्रियाओं पर निर्णय लेने केलिये दिल्ली पहुँचा।
- 3 जून, 1947 को लॉर्ड माउंटबेटन ने अपनी योजना को प्रस्तुत किया जिसमें भारत की राजनीतिक समस्या के समाधान के लिये उठाये जाने वाले कदमों की रूपरेखा तैयार की गई थी।
  - माउंटबेटन योजना का मुख्य उद्देश्य भारत और पाकिस्तान का डोमिनियन के रूप में विभाजन और शक्ति का त्वरित हस्तांतरण था। अत: विकल्प D सही है।

35.

उत्तर: D

व्याख्या:

- अल्लूरी सीताराम राजू भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल एक भारतीय क्रांतिकारी थे।
  - उनका जन्म वर्तमान आंध्र प्रदेश में वर्ष 1897 (कुछ स्रोतों में वर्ष 1898) में हुआ था।

- वह 18 वर्ष की आयु में एक संन्यासी बन गए और उन्होंने अपनी तपस्या, ज्योतिष तथा चिकित्सा के ज्ञान एवं जंगली जानवरों को वश में करने की अपनी क्षमता के कारण पहाड़ी व आदिवासी लोगों के बीच एक रहस्यमय आभा प्राप्त की।

- बहुत कम उम्र में राजू ने गंजम, विशाखापत्तनम और गोदावरी में पहाड़ी लोगों के असंतोष को अंग्रेज़ो के खिलाफ अत्यधिक प्रभावी गुरिल्ला प्रतिरोध में बदल दिया।
- वर्तमान आंध्र प्रदेश में जन्मे सीताराम राजू वर्ष 1882 के मद्रास वन अधिनियम के खिलाफ ब्रिटिश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गए। इस अधिनियम ने आदिवासियों (आदिवासी समुदायों) के उनके वन आवासों में मुक्त आवाजाही तथा उनके पारंपरिक रूप पोडु (स्थानांतरित खेती झूम कृषि) को प्रतिबंधित कर दिया।
- अंग्रेज़ो के प्रति बढ़ते असंतोष ने 1922 के रम्पा विद्रोह/मन्यम विद्रोह को जन्म दिया, जिसमें अल्लूरी सीताराम राजू ने नेतृत्वकर्त्ता के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। अत: कथन 1 सही है।
  - रम्पा विद्रोह महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के साथ हुआ। उन्होंने लोगों को खादी पहनने और शराब छोड़ने के लिये सहमत किया।
  - लेकिन साथ ही उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत केवल बल के प्रयोग से ही आजाद हो सकता है, अहिंसा से नहीं। अत: कथन 2 सही है।
- स्थानीय ग्रामीणों द्वारा उनके वीरतापूर्ण कारनामों के लिये उन्हें "मन्यम वीरुडु" (जंगल का नायक) उपनाम दिया गया था। अत: कथन 3 सही है।
- वर्ष 1924 में अल्लूरी सीताराम राजू को पुलिस हिरासत में ले लिया गया, एक पेड़ से बाँध कर सार्वजनिक रूप से गोली मार दी गई तथा सशस्त्र विद्रोह को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया।

36.

उत्तर: D

व्याख्या:

- प्रफुल्ल चंद्र राय (1861-1944) एक प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक और शिक्षक थे तथा "आधुनिक" भारतीय रासायनिक शोधकर्त्ताओं में से एक थे।
- इन्हें "भारतीय रसायन विज्ञान के जनक" के रूप में जाना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने वर्ष 1895 में स्थिर यौगिक मर्क्यूरस नाइट्राइट की खोज की। अत कथन 2 सही है।
- एक राष्ट्रवादी के रूप में वह चाहते थे कि बंगाली उद्यम की दुनिया में आगे आएँ।
  - उन्होंने खुद बंगाल केमिकल एंड फार्मास्युटिकल वर्क्स (1901) नामक एक केमिकल फर्म की स्थापना करके मिसाल कायम की। अत: कथन 3 सही है।

37.

उत्तर: D

व्याख्या:

- ज्योतिराव फुले:
  - ज्योतिराव फुले एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्त्ता, विचारक, जातिप्रथा-विरोधी समाज सुधारक और लेखक थे।
- उन्हें ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है।
    - शिक्षा: वर्ष 1841 में फुले का दाखिला स्कॉटिश मिशनरी हाईस्कूल (पुणे) में हुआ, जहाँ उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की।
  - विचारधारा: उनकी विचारधारा स्वतंत्रता, समतावाद और समाजवाद पर आधारित थी।
    - फुले थॉमस पाइन की पुस्तक 'द राइट्स ऑफ मैन' से प्रभावित थे और उनका मानना था कि सामाजिक बुराइयों का मुकाबला करने का एकमात्र तरीका महिलाओं व निम्न वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रदान करना था।
  - प्रमुख प्रकाशन: तृतीया रत्न (1855); पोवाड़ा: छत्रपति शिवाजीराज भोंसले यंचा (1869); गुलामगिरि (1873), शक्तारायच आसुद (1881)।
  - महात्मा की उपाधि: 11 मई, 1888 को महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्त्ता विट्ठलराव कृष्णजी वांडेकर द्वारा उन्हें 'महात्मा' की उपाधि से सम्मानित किया गया।
  - अत: विकल्प D सही है।

38.

उत्तर: A

व्याख्या

पाल-दाधवाव नरसंहार

- पाल-दाधवाव हत्याकांड 7 मार्च, 1922 को साबरकांठा ज़िले के पाल-चितरिया और दाधवाव गाँव में हुआ था, जो उस समय इदर राज्य (अब गुजरात) का हिस्सा था।
- उस दिन आमलकी एकादशी थी, जो आदिवासियों का एक प्रमुख त्योहार है जो होली से ठीक पहले मनाया जाता है।
- मोतीलाल तेजावत के नेतृत्व में 'एकी आंदोलन' के हिस्से के रूप में पाल, दाधवाव और चितरिया के ग्रामीण वारिस नदी के तट पर एकत्र हुए थे।

- राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र के कोलियारी गाँव के रहने वाले तेजावत ने भी इसमें भाग लेने के लिये कोटड़ा छावनी, सिरोही और दांता के भीलों को बुलाया था।
- विरोध का असर विजयनगर, दाधवाव, पोशिना और खेड़ब्रह्मा में महसूस किया गया जो अब साबरकांठा के तालुका हैं; अरावली ज़िले के बनासकांठा और दंता तथा राजस्थान के कोटड़ा छावनी, डूंगरपुर, चित्तौड़, सिरोही, बांसवाड़ा और उदयपुर, ये सभी उस समय की रियासतें थीं।

- यह आंदोलन अंग्रेज़ों और सामंतों द्वारा किसानों पर लगाए गए भू-राजस्व कर (लगान) के विरोध में था।
- तेजावत की तलाश में ब्रिटिश अर्द्ध-सैनिक बल लगा हुआ था। बल ने इस सभा के बारे में सुना और मौके पर पहुँच गया।
- तेजावत के नेतृत्व में लगभग 200 भीलों ने अपने धनुष-बाण उठा लिये लेकिन अंग्रेज़ों ने उन पर गोलियाँ चला दीं और लगभग 1,000 आदिवासियों (भील) को गोलियों से भून दिया गया।
  - जबकि अंग्रेज़ों ने दावा किया कि कुल 22 लोग मारे गए लेकिन भीलों का मानना है कि इसमें 1,200-1,500 लोग मारे गए।
- तेजावत, हालाँकि बच गए और आज़ादी के बाद उन्होंने इस जगह का नाम "विरुभूमि" रखा।
- अत: विकल्प A सही है।

39.

उत्तर: D

व्याख्या:

- सविनय अवज्ञा आंदोलन 'पूर्ण स्वराज' या पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिये शुरू किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- सविनय अवज्ञा आंदोलन का उद्देश्य नमक कानून जैसे कुछ कानूनों को तोड़ना था।
  - कुछ जगहों पर लोगों ने टैक्स देने से भी मना कर दिया।
- कॉन्ग्रेस पार्टी और हिंदू महासभा की बढ़ती निकटता तथा फूट डालो और राज करो की ब्रिटिश नीति ने मुसलमानों को सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने से रोक दिया। अत: कथन 2 सही है।
- लेकिन बड़े पैमाने पर महिलाओं की भागीदारी सविनय अवज्ञा आंदोलन की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है।
- असहयोग आंदोलन की तुलना में सविनय अवज्ञा आंदोलन में व्यापक भौगोलिक कवरेज और जन भागीदारी देखी गई। अत: कथन 3 सही है।
- 1931 में गांधी-इरविन समझौते पर हस्ताक्षर के बाद आंदोलन वापस ले लिया गया था। अत: कथन 4 सही है।

40.

उत्तर: C

व्याख्या

भगत सिंह:

- भगत सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1907 में हुआ तथा इनका पालन पोषण पंजाब के दोआब क्षेत्र में स्थित जालंधर ज़िले में संधू जाट किसान परिवार में हुआ।
- वर्ष 1923 में भगत सिंह ने नेशनल कॉलेज, लाहौर में प्रवेश लिया, जिसकी स्थापना और प्रबंधन लाला लाजपत राय एवं भाई परमानंद ने किया था।
- वर्ष 1925 में भगत सिंह लाहौर लौट आए और अगले एक वर्ष के भीतर उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर 'नौजवान भारत सभा' नामक एक उग्रवादी युवा संगठन का गठन किया। अत: कथन 2 सही है।
- अप्रैल 1926 में भगत सिंह ने सोहन सिंह जोश के साथ संपर्क स्थापित किया तथा उनके साथ मिलकर 'श्रमिक और किसान पार्टी' की स्थापना की, जिसने पंजाबी में एक मासिक पत्रिका कीर्ति का प्रकाशन किया।
- वर्ष 1928 में भगत सिंह ने हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन (HSRA) कर दिया। वर्ष 1930 में जब आज़ाद को गोली मारी गई, तो उनके साथ ही HSRA भी समाप्त हो गया। अत: कथन 1 सही है।
  - नौजवान भारत सभा ने पंजाब में HSRA का स्थान ले लिया।

41.

उत्तर: B

व्याख्या:

- वर्ष 1929 की लाहौर कॉन्ग्रेस ने कॉन्ग्रेस कार्य समिति (Congress Working Committee) को करों का भुगतान न करने के साथ ही सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने के लिये अधिकृत किया।
  - साबरमती आश्रम में फरवरी 1930 में कॉन्ग्रेस कार्य समिति की बैठक में गांधीजी को समय और स्थान का चयन कर सविनय अवज्ञा कार्यक्रम शुरू करने के लिये अधिकृत किया गया।
  - गांधीजी ने भारत के वायसराय (वर्ष 926-31) लॉर्ड इरविन को अल्टीमेटम दिया कि अगर उनकी न्यूनतम मांगों को नज़रअंदाज किया जाएगा तो उनके पास सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं बचेगा।

- महत्त्व:
  - इस आंदोलन के परिणामस्वरूप भारत में ब्रिटेन से होने वाला आयात काफी गिर गया। उदाहरण के लिये ब्रिटेन से कपड़े का आयात आधा हो गया। अत: कथन 1 सही है।
  - यह आंदोलन पिछले आंदोलनों की तुलना में अधिक व्यापक था, जिसमें महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, छात्रों और व्यापारियों तथा दुकानदारों जैसे शहरी लोगों ने बड़े पैमाने पर भागीदारी की। अत: अब कॉन्ग्रेस ने अखिल भारतीय संगठन का स्वरूप प्राप्त कर लिया था। अत: कथन 2 सही है।
  - इस आंदोलन को कस्बों और देहात दोनों में गरीब तथा अशिक्षित लोगों का जो समर्थन हासिल हुआ, वह उल्लेखनीय था। अत: कथन 3 सही नहीं है।
  - इस आंदोलन में भारतीय महिलाओं की बड़ी संख्या में खुलकर भागीदारी उनके लिये वास्तव में मुक्ति का सबसे अलग अनुभव था।
  - यद्यपि कॉन्ग्रेस ने वर्ष 1934 में सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस ले लिया, लेकिन इस आंदोलन ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया और साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष की प्रगति में महत्त्वपूर्ण चरण को चिह्नित किया।

42.

उत्तर: A

व्याख्या:

- वर्ष 1852 में सावित्रीबाई ने महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 'महिला सेवा मंडल' की शुरुआत की।
- सावित्रीबाई ने एक महिला सभा का आह्वान किया, जहाँ सभी जातियों के सदस्यों का स्वागत किया गया और सभी से एक साथ मंच पर बैठने की अपेक्षा की गई।
- उन्होंने वर्ष 1854 में 'काव्या फुले' और वर्ष 1892 में 'बावनकशी सुबोध रत्नाकर' का प्रकाशन किया।
- अपनी कविता 'गो, गेट एजुकेशन' में वह उत्पीड़ित समुदायों से शिक्षा प्राप्त करने और उत्पीड़न की जंजीरों से मुक्त होने का आग्रह करती हैं।
- उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन करते हुए बाल विवाह के खिलाफ एक साथ अभियान चलाया।
- उन्होंने वर्ष 1873 में पहला सत्यशोधक विवाह की शुरुआत की- दहेज, ब्राह्मण पुजारी या ब्राह्मणवादी रीति-रिवाज़ के बिना विवाह।
- अत: विकल्प A सही है।

43.

उत्तर: C

व्याख्या

प्रह्लादजी पटेल:

- प्रह्लादजी पटेल गुजरात के बेचराजी से थे और उन्होंने ब्रिटिश शासन से भारत की आज़ादी के लिये लड़ाई लड़ी तथा बाद में समाज सुधारक विनोबा भावे के 'भूदान आंदोलन' (Bhoodan Movement) में शामिल हो गए। अत: कथन 1 सही है।
  - उन्होंने अपनी 200 बीघा ज़मीन दान में दी थी।
- प्रह्लादजी पटेल, महात्मा गांधी के आह्वान पर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए और साबरमती तथा यरवदा में कैद रहे।
- जेल में रहने के दौरान प्रह्लादजी पटेल के पिता का निधन हो गया, लेकिन प्रह्लादजी पटेल ने माफी की शर्तों को स्वीकार नहीं किया, जो औपनिवेशिक शासकों द्वारा उन्हें अंतिम संस्कार करने की अनुमति देने के लिये रखी गई थीं।
  - उन्होंने कई स्वतंत्रता सेनानियों का भी समर्थन किया जो भूमिगत होकर लड़ाई लड़ रहे थे।
- प्रह्लादजी पटेल ने आज़ादी के बाद रियासतों के विलय में सरदार पटेल की मदद की थी। अत: कथन 2 सही है।
- वर्ष 1960 में जब गुजरात का गठन हुआ तो उन्होंने पाटन ज़िले की चानस्मा सीट से चुनाव भी लड़ा और पूरे क्षेत्र को विकास के पथ पर अग्रसर किया।

44.

उत्तर: D

व्याख्या

- बाबू जगजीवन राम, जिन्हें बाबूजी के नाम से जाना जाता है, एक राष्ट्रीय नेता, स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक न्याय हेतु लड़ाई लड़ने वाले योद्धा, वंचित वर्गों के हिमायती तथा एक उत्कृष्ट सांसद थे।
- स्वतंत्रता पूर्व योगदान:
  - वर्ष 1931 में वह भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (कॉन्ग्रेस पार्टी) के सदस्य बन गए।
  - उन्होंने वर्ष 1934-35 में अखिल भारतीय शोषित वर्ग लीग (All India Depressed Classes League) की नींव रखने में अहम योगदान दिया था। यह संगठन अछूतों को समानता का अधिकार दिलाने हेतु समर्पित था। अत: कथन 1 सही है।
  - वह सामाजिक समानता और शोषित वर्गों के लिये समान अधिकारों के प्रणेता थे।

- वर्ष 1935 में उन्होंने हिंदू महासभा के एक सत्र में प्रस्ताव रखा कि पीने के पानी के कुएँ और मंदिर अछूतों के लिये खुले रखे जाएँ।
- वर्ष 1935 में बाबूजी राँची में हैमोंड आयोग के समक्ष भी उपस्थित हुए और पहली बार दलितों के लिये मतदान के अधिकार की मांग की। अत: कथन 2 सही है।
- उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया और इससे जुड़ी राजनीतिक गतिविधियों के लिये 1940 के दशक में उन्हें दो बार जेल जाना पड़ा। अत: कथन 3 सही है।

45.

उत्तर: A

व्याख्या:

ज्योतिराव फुले

- जन्म: ज्योतिराव फुले का जन्म 11 अप्रैल, 1827 को वर्तमान महाराष्ट्र में हुआ था और वे सब्जियों की खेती करने वाली माली जाति से संबंधित थे।
- शिक्षा: वर्ष 1841 में फुले का दाखिला स्कॉटिश मिशनरी हाईस्कूल (पुणे) में हुआ, जहाँ उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की।
- विचारधारा: उनकी विचारधारा स्वतंत्रता, समतावाद और समाजवाद पर आधारित थी।
  - फुले थॉमस पाइन की पुस्तक 'द राइट्स ऑफ मैन' से प्रभावित थे और उनका मानना था कि सामाजिक बुराइयों का मुकाबला करने का एकमात्र तरीका महिलाओं, निम्न वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रदान करना था।
- प्रमुख प्रकाशन: तृतीया रत्न (1855); पोवाड़ा: छत्रपति शिवाजीराज भोंसले यंचा (1869); गुलामगिरि (1873), शक्तारायच आसुद (1881)।
- संबंधित सगठन: फुले ने अपने अनुयायियों के साथ मिलकर वर्ष 1873 में सत्यशोधक समाज का गठन किया, जिसका अर्थ था सत्य के साधक ताकि महाराष्ट्र में निम्न वर्गों को समान सामाजिक और आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकें।
- नगरपालिका परिषद सदस्य: वह पूना नगरपालिका के आयुक्त नियुक्त किये गए और वर्ष 1883 तक इस पद पर रहे।
- महात्मा का शीर्षक: 11 मई, 1888 को महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्त्ता विट्ठलराव कृष्णजी वांडेकर द्वारा उन्हें 'महात्मा' की उपाधि से सम्मानित किया गया।
- अत: विकल्प A सही है।

46.

उत्तर: A

व्याख्या:

जलियांवाला बाग हत्याकांड:

- 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग में आयोजित एक शांतिपूर्ण बैठक में शामिल लोगों पर ब्रिगेडियर जनरल रेगीनाल्ड डायर ने गोली चलाने का आदेश दिया था, जिसमें हज़ारों निहत्थे पुरुष, महिलाएँ और बच्चे मारे गए थे। अत: कथन 1 सही है।
  - ये लोग रॉलेट एक्ट 1919 का शांतिपूर्ण विरोध कर रहे थे।.अत: कथन 2 सही नहीं है।
- जलियांवाला बाग भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण स्थल बन गया और अब यह देश का एक महत्त्वपूर्ण स्मारक है।
- जलियांवाला बाग त्रासदी उन कारणों में से एक थी जिसके कारण महात्मा गांधी ने अपना पहला, बड़े पैमाने पर और निरंतर अहिंसक विरोध (सत्याग्रह) अभियान, असहयोग आंदोलन (1920–22) का आयोजन शुरू किया।
- इस घटना के विरोध में बांग्ला कवि और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने वर्ष 1915 में प्राप्त नाइटहुड की उपाधि का त्याग कर दिया।
- भारत की तत्कालीन सरकार ने घटना की जाँच (हंटर आयोग) का आदेश दिया, जिसने वर्ष 1920 में डायर के कार्य की निंदा की और उसे सेना से इस्तीफा देने का आदेश दिया।

47.

उत्तर: D

व्याख्या:

- वर्ष 1882 के मद्रास वन अधिनियम के खिलाफ अल्लूरी सीताराम राजू ब्रिटिश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गए थे। इस अधिनियम ने आदिवासियों (आदिवासी समुदायों) के उनके वन आवासों में मुक्त आवाजाही और उन्हें पारंपरिक रूप का पोडु (स्थानांतरित खेती/ झूम कृषि) को प्रतिबंधित कर दिया था।
- अंग्रेजों के प्रति बढ़ते असंतोष ने वर्ष 1922 के रम्पा विद्रोह/मन्यम विद्रोह को जन्म दिया, जिसमें अल्लूरी सीताराम राजू ने एक नेतृत्वकर्त्ता के रूप में एक प्रमुख भूमिका निभाई।
- स्थानीय ग्रामीणों द्वारा उनके वीरतापूर्ण कारनामों के लिये उन्हें "मन्यम वीरुडु" (जंगल का नायक) उपनाम दिया गया था।
- वर्ष 1924 में अल्लूरी सीताराम राजू को पुलिस हिरासत में ले लिया गया, एक पेड़ से बाँध कर सार्वजनिक रूप से गोली मार दी गई तथा सशस्त्र विद्रोह को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया।
- यह एक राष्ट्रव्यापी विद्रोह नहीं बन सका।
- अत: विकल्प D सही है।

48.

उत्तर: B

व्याख्या:

गुरु तेग बहादुर:

- गुरु तेग बहादुर नौवें सिख गुरु थे, जिन्हें अक्सर सिखों द्वारा 'मानवता के रक्षक' (सृष्टि-दी-चादर) के रूप में सम्मानित किया जाता है।
- एक महान शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध गुरु तेग बहादुर एक उत्कृष्ट योद्धा, विचारक और कवि भी थे जिन्होंने अन्य आध्यात्मिक चीज़ों के बीच ईश्वर, मन, शरीर और शारीरिक लगाव की प्रकृति का विस्तृत विवरण प्रदान किया है।
- उनकी रचना को 116 काव्य भजनों के रूप में पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में शामिल किया गया है।
- वह एक उत्साही यात्री भी थे और उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रचार केंद्र स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- ऐसे ही एक मिशन के दौरान उन्होंने पंजाब में चक-ननकी शहर की स्थापना की, जो बाद में पंजाब के आनंदपुर साहिब का हिस्सा बन गया।
- वर्ष 1675 में मुगल सम्राट औरंगज़ेब के आदेश पर गुरु तेग बहादुर की हत्या दिल्ली में कर दी गई थी।
- अत: विकल्प B सही है।

49.

उत्तर: B

व्याख्या

1857 का विद्रोह

विद्रोह के स्थान	भारतीय नेता	विद्रोह को दबाने वाले ब्रिटिश अधिकारी
दिल्ली	बहादुर शाह II	जॉन निकोलसन
लखनऊ	बेगम हजरत महल	हेनरी लॉरेंस
कानपुर	नाना साहब	सर कॉलिन कैंपबेल
झांसी से ग्वालियर	लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे	जनरल ह्यूग रोज़
बरेली	खान बहादुर खान। अत: कथन 1 सही नहीं है।	सर कॉलिन कैम्पबेल
इलाहाबाद और बनारस	मौलवी लियाकत अली	कर्नल ओन्सेल
बिहार	कुंवर सिंह। अत: कथन 2 सही है।	विलियम टेलर

50.

उत्तर: C

व्याख्या:

- गोखले ने सामाजिक सशक्तीकरण, शिक्षा के विस्तार और तीन दशकों तक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की दिशा में कार्य किया तथा प्रतिक्रियावादी या क्रांतिकारी तरीकों के इस्तेमाल को खारिज किया।
- औपनिवेशिक विधानमंडलों में भूमिका:
  - वर्ष 1899 से 1902 के बीच वह बॉम्बे लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य रहे और वर्ष 1902 से 1915 तक उन्होंने इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल में काम किया।
  - इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल में काम करने के दौरान गोखले ने वर्ष 1909 के मॉर्ले-मिंटो सुधारों को तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस में भूमिका:
  - वह भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (INC) के नरम दल से जुड़े थे (वर्ष1889 में शामिल)।
  - बनारस अधिवेशन 1905 में वह INC के अध्यक्ष बने। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - यह वह समय था जब 'नरम दल' और लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक तथा अन्य के नेतृत्त्व वाले 'गरम दल' के बीच व्यापक मतभेद पैदा हो गए थे। वर्ष 1907 के सूरत अधिवेशन में ये दोनों गुट अलग हो गए।
  - वैचारिक मतभेद के बावजूद वर्ष 1907 में उन्होंने लाला लाजपत राय की रिहाई के लिये अभियान चलाया, जिन्हें अंग्रेज़ों द्वारा म्याँमार की मांडले जेल में कैद किया गया था।
- संबंधित सोसाइटी तथा अन्य कार्य:
  - भारतीय शिक्षा के विस्तार के लिये वर्ष 1905 में उन्होंने सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी (Servants of India Society) की स्थापना की।
  - वह महादेव गोविंद रानाडे द्वारा शुरू की गई 'सार्वजनिक सभा पत्रिका' से भी जुड़े थे। वर्ष 1908 में गोखले ने रानाडे इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स की स्थापना की।
  - उन्होंने अंग्रेज़ी साप्ताहिक समाचार पत्र 'द हितवाद' की शुरुआत की। अत: कथन 3 सही है।

51.

उत्तर: C

व्याख्या:

हल्दीघाटी का युद्ध:

- वर्ष 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध मेवाड़ के राणा प्रताप सिंह और मुगल सम्राट अकबर की सेना के मध्य लड़ा गया था, जिसमें मुगल सेना का नेतृत्त्व आमेर के राजा मान सिंह द्वारा किया गया था।
- महाराणा प्रताप ने वीरतापूर्ण इस युद्ध को लड़ा, लेकिन मुगल सेना ने उन्हें पराजित कर दिया।
- ऐसा कहा जाता है कि महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से बाहर निकालने के दौरान चेतक' (Chetak) नामक उनके वफादार घोड़े ने अपनी जान दे दी थी।

अत: विकल्प C सही है।

52.

उत्तर: A

व्याख्या:

- राजा राम मोहन राय आधुनिक भारत के पुनर्जागरण के जनक और एक अथक समाज सुधारक थे जिन्होंने भारत में ज्ञानोदय एवं उदार सुधारवादी आधुनिकीकरण के युग की शुरुआत की। अत: कथन 1 सही है।
- राम मोहन राय दिल्ली के मुगल सम्राट अकबर द्वितीय की पेंशन से संबंधित शिकायतों हेतु इंग्लैंड गए तभी अकबर द्वितीय द्वारा उन्हें 'राजा' की उपाधि दी गई। अत: कथन 2 सही है।
- नवंबर 1830 में वे सती प्रथा संबंधी अधिनियम पर प्रतिबंध लगाने से उत्पन्न संभावित अशांति का प्रतिकार करने के उद्देश्य से इंग्लैंड गए। अत: कथन 3 सही है।

53.

उत्तर: D

व्याख्या:

इन्हें 'गुरुदेव' (Gurudev), 'कबीगुरु' (Kabiguru) और 'बिस्वाकाबी' (Biswakabi) के नाम से भी जाना जाता है। अत: कथन 1 सही है।

- डब्लू.बी. येट्स (W.B Yeats) द्वारा रबींद्रनाथ टैगोर को आधुनिक भारत का एक उत्कृष्ट एवं रचनात्मक कलाकार कहा गया। वह एक बंगाली कवि, उपन्यासकार और चित्रकार थे, जिन्होंने पश्चिम में भारतीय संस्कृति को अत्यधिक प्रभावशाली ढंग से पेश किया।
- वह एक असाधारण और प्रसिद्ध साहित्यकार थे जिन्होंने साहित्य एवं संगीत को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।
- वे महात्मा गांधी के अच्छे मित्र थे और माना जाता है कि उन्होंने ही महात्मा गांधी को 'महात्मा' की उपाधि दी थी। अत: कथन 2 सही है।
- उन्होंने सदैव इस बात पर ज़ोर दिया कि विविधता में एकता भारत के राष्ट्रीय एकीकरण का एकमात्र संभव तरीका है।
- वर्ष 1929 तथा वर्ष 1937 में उन्होंने विश्व धर्म संसद (World Parliament for Religions) में भाषण दिया।

योगदान:

माना जाता है कि उन्होंने 2000 से अधिक गीतों की रचना की है और उनके गीतों एवं संगीत को 'रबींद्र संगीत' (Rabindra Sangeet) कहा जाता है।

- उन्हें बंगाली गद्य और कविता के आधुनिकीकरण हेतु उत्तरदायी माना जाता है।
- उनकी उल्लेखनीय कृतियों में गीतांजलि, घारे-बैर, गोरा, मानसी, बालका, सोनार तोरी आदि शामिल हैं, साथ ही उन्हें उनके गीत 'एकला चलो रे' (Ekla Chalo Re) के लिये भी याद किया जाता है। अत: कथन 3 सही है।
  - उन्होंने अपनी पहली कविताएँ 'भानुसिम्हा' (Bhanusimha) उपनाम से 16 वर्ष की आयु में प्रकाशित की थीं।
  - उन्होंने न केवल भारत और बांग्लादेश हेतु राष्ट्रगान की रचना की बल्कि श्रीलंका के राष्ट्रगान को कलमबद्ध करने तथा उसकी रचना करने हेतु एक श्रीलंकाई छात्र को प्रेरित किया।
- अपनी साहित्यिक उपलब्धियों के अलावा वे एक दार्शनिक और शिक्षाविद भी थे, जिन्होंने वर्ष 1921 में विश्व-भारती विश्वविद्यालय (Vishwa-Bharati University) की स्थापना की जिसने पारंपरिक शिक्षा को चुनौती दी।